<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

13 जनवरी, 2016

आज प्रेसवार्ता में श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया:-

मोदी केवल भाषण और खट्टर कुशासन के पर्याय: सुरजेवाला

-नेताओं पर झूठे मुकदमों से नहीं डरेगी कांग्रेस

-भाजपा को देंगे मुंहतोड़ जवाब, जरूरत हुई तो सड़कों पर होगा संघर्ष

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी केवल भाषण और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर कुशासन के पर्याय बनकर रह गए हैं। सवा सौ करोड़ देशवासियों और ढाई करोड़ हरियाणावासियों को अच्छे दिनों का सपना दिखाकर सत्ता में आये ये दोनों ही नेता अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहने के बाद अब अपने विरोधियों को एक साजिश के तहत झूठे मामलों में फंसाकर देश का ध्यान अपनी विफलताओं से बांटने की साजिश कर रहे हैं।

बुधवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा की सरकारें साजिश के तहत कांग्रेस के नेताओं को झूठे मामलों में फंसाने की साजिश रच रही हैं। चाहे वो सुब्रमन्यम स्वामी जैसे 'पर-जीवियों' के जरिये कांग्रेस के शीर्षस्थ नेतृत्व के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने की बात हो या फिर शंकर सिंह बघेला, वीरभद्र सिंह, अशोक गहलोत, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सचिन पायलट और पी. चिदंबरम के खिलाफ साजिश के तहत मामले दर्ज कराने की बात हो, केंद्र की भाजपा और प्रदेशों में उसकी सरकारों ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में तानाशाही का शर्मनाक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की खट्टर सरकार ने भी पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ इसी तरह की साजिश रची है। उन्होंने कहा कि पंचकूला के औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन का मामला अभी भी माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में विचाराधीन हैं। माननीय अदालत का फैसला आये बिना ही खट्टर सरकार ने राजनीतिक बदले की भावना से मामले की जांच पहले विजिलेंस और अब सीबीआई को सौंपकर अपना असली चेहरा दिखा दिया है। साथ ही, मानेसर, गुड़गांवा में इसी तरह बिना नाम के सीबीआई के जरिए झूठे मुकदमे दर्ज करवा व राजनीतिक प्रतिशोध के चलते 'जांच

आयोगों' का कथन करवा अपनी दुर्भावना जगजाहिर कर दी है। ईनैलो और भाजपा की यह सांझी साजिश है, जिसे हर प्रदेश और देशवासी समझता है।

उन्होंने कहा "मैं यह स्पष्ट तौर पर कह देना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी अपने वरिष्ठ नेताओं पर राजनीतिक बदले की भावना से दर्ज किए गए इन मुकदमों से डरने वाली नहीं है। हम, भाजपा को इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे और जरूरत हुई तो मोदी और खट्टर के इस तानाशाही रवैये के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष होगा। हम, कानूनी लड़ाई अदालतों में लडने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और भाजपा को बेनकाब करने के लिए भी"।

सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेश की मौजूदा खट्टर सरकार का निकम्मापन, पाखंड व हवाबाजी किसी से छुपे नहीं हैं। संपूर्ण सरकार सारा समय 'फोटो खिंचवाने' व 'सुर्खियों में बने रहने' के शौक से ग्रस्त है। फिर चाहे मात्र एक दिन साईकल पर कार्यालय जाना हो, बैलगाड़ी में झूठी सवारी करनी हो या फिर आए दिन छापेमारी कर, विवादास्पद बयान दे और कर्मचारियों को अपमानित कर चर्चा में रहना हो।

राजनीतिक बदले की बिसात बिछा श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व अपने अन्य राजनीतिक विरोधियों पर झूठे मुकदमे दर्ज करवाने की बजाए, क्या भाजपा सरकार व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर हरियाणा की जनता को कुछ मूलभूत सवालों का जबाव देंगे:-

1. मुख्यमंत्री, श्री खट्टर बताएं सत्ता में आने से पहले प्रदेश के ढाई करोड़ लोगों के साथ किए गए 154 वादों में से कितने पूरे कर दिए गए हैं?

2. क्या एक तरफ भाजपा सरकार हरियाणा में बनने वाली हमारे हिस्से की बिजली को अन्य राज्यों को सरेंडर नहीं कर रही है, और दूसरी तरफ अपने भाजपाई मित्रों की कंपनियों से बिजली खरीद कर लोगों की जेब पर डाका नहीं डाल रही है?

   हरियाणा राज्य में बिजली के रेट एक साल में ही कई बार बढ़ाकर आज घरेलू बिजली की दरें 8.47 रु. प्रति यूनिट क्यों पहुंच गई हैं? बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के बावजूद हरियाणा के खेत खलिहान, उद्योग धंधे बिजली के अभाव में त्राहि-त्राहि क्यों कर रहे हैं?

3. क्या लगभग 5000 करोड़ रु. से अधिक के 'धान खरीद घोटाले' की जांच करवाई गई और दोषी भाजपाई नेताओं और अधिकारियों को सजा दी गई?

4. क्या खट्टर सरकार प्रदेश के लाखों किसानों को गेहूं का अन-उपचारित बीज मुहैया करवाने व उन्हें कुदरत के भरोसे छोडने की जांच करवाएगी?

5. क्याक्या मुख्यमंत्री 'सफेद मक्खी' से कपास की फसल को हुए व्यापक नुकसान व लुटे किसान को रुका हुआ मुआवजा देंगे?

यदि भाजपा को जांच करवाने का इतना ही शौक है तो वह तत्काल प्रदेश के 'धान खरीद घोटाले' और 'अन-उपचारित गेहूं बीज घोटाले' की जांच उच्च न्यायालय के एक पदासीन जज से करवाए ताकि लोगों को यह पता लग सके कि किस तरह प्रदेश सरकार हरियाणा की जनता के हितों के साथ दर्दनाक खिलवाड़ कर रही है।

खट्टर सरकार के नारों और प्रदेश के लोगों द्वारा चौदह माह की भाजपा सरकार पर घड़े गये नारों पर चुटकी लेते हुए सुरजेवाला ने कहा श्हरियाणा के लोग अपनी हाजिर जवाबी और सटीक व्यंग्य के लिए दुनिया भर में मशहूर हैं। ये समस्त हरियाणावासी इन दिनों निराशा में ये नारे लगाने पर मजबूर हैं':-

'ना ताल ना मेल-खट्टर मोदी दोनों फेल'

'खट्टर सरकार - चौदह माह बेकार'

'हरियाणा के बढ़ते कदम - अब कहां गया वो दम'